सत्यमेव जयते

अध्यक्ष
संघ लोक सेवा आयोग
CHAIRMAN
UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

संदेश

दिनांक : २९ सितंबर, २०२३

मुझे संघ लोक सेवा आयोग के ९७ वें स्थापना दिवस का सहभागी होने पर अत्यंत प्रसन्नता है। इस पावन अवसर पर मैं आयोग के अपने साथी माननीय सदस्यों, अधिकारियों और समस्त स्टॉफ को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई देता हूँ।

२. हम सभी को अपनी महान संस्था के इस ऐतिहासिक दिवस पर गर्व है, जिसकी स्थापना ०१ अक्टूबर १९२६ को हुई थी। यदि हम अपने गौरवमय इतिहास पर नज़र डालें तो हमें अपनी उपलब्धियों पर यथोचित गर्व होगा। यह एक ऐसा अवसर है जब हम इस लम्बी यात्रा में अपनी उपलब्धियों का उत्सव तो मनाएं परंतु आत्मसंतुष्ट न हों। हमारा ध्यान उन चुनौतियों से नहीं हटना चाहिए जो हमारे सामने हैं। हमारा निरंतर यह प्रयास होना चाहिए कि हम लगातार परिवर्तनशील परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढाल सकें।

धौलपुर हाऊस शाहजहां रोड नई दिल्ली 110 069 भारत
Dholpur House Shahjahan Road New Delhi 110 069 India
Telephone +91 11 233 81688, Fax 233 81145

३. आयोग ने अपने संवैधानिक दायित्वों को सफलतापूर्वक पूरा किया है और राष्ट्र के लाखों युवाओं का विश्वास अर्जित किया है ज़ो हमारी ओर विश्वसनीयता, आशा और निष्पक्षता की किरण के रूप में देखते हैं। हमारे समक्ष आयोग की इस प्रतिष्ठा को बनाए रखने की चुनौती है। मैं बहुत गर्व के साथ यह कह सकता हूँ कि आयोग के संवैधानिक दायित्वों के निर्वहन में हम सदैव उत्कृष्टता के लिए प्रयासरत रहे हैं और हमने सत्यनिष्ठा एवं निष्पक्षता के उच्च मानकों को बनाए रखा है।

४. मैं आयोग में छः वर्ष से अधिक समय से सेवारत हूँ, पहले सदस्य के रूप में और अब अध्यक्ष के रूप में। यह मेरा परम सौभाग्य है कि मैं इस महान संस्था का अंग हूँ जिसका सिविल सेवकों और सिविल सेवा के आकांक्षी उम्मीदवारों में बहुत सम्मान है। आयोग के संवैधानिक दायित्वों के निर्वहन में मेरे साथी माननीय सदस्यों का योगदान एवं निरंतर सहयोग प्रशंसनीय है और मैं उनके प्रति तहेदिल से कृतज्ञता ज्ञापित करना चाहता हूँ। मैं पूर्व माननीय अध्यक्षों और माननीय सदस्यों का भी विशेष रूप से आभारी हूँ जिन्होंने आयोग की अखण्डता और सत्यनिष्ठा के उच्च मानकों को बनाए रखने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है।

५. लोक सेवाओं में भर्ती की प्रणाली, निरंतर सुधार एवं नवीनीकरण का विषय रहे हैं। संघ लोक सेवा आयोग सदैव ऐसी भर्ती प्रणाली विकसित करने के लिए प्रयासरत रहा है जो लोक प्रशासन की लगातार बढ़ती विशिष्टताओं के लिए अपेक्षित कौशल एवं सामर्थ्य का परीक्षण कर सके। आयोग का सदैव यह प्रयास

रहा है कि इस देश के लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरें। आयोग का ट्रैक रिकार्ड यह प्रदर्शित करता है कि हमारे संविधान निर्माताओं ने जो विश्वास इसमें जताया था, यह उस पर खरा उतरा है और इन उपलब्धियों पर हमें गर्व है।

६. सर्वाधिक प्रतिष्ठित सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा, २०२३ ; २८ मई, २०२३ को आयोजित की गई थी और इसका परिणाम रिकार्ड समय, १५ दिन के भीतर १२ जून, २०२३ को घोषित कर दिया गया था। इसी प्रकार, आयोग द्वारा संचालित अन्य महत्वपूर्ण परीक्षाओं जैसे राष्ट्रीय रक्षा अकादमी/ सम्मिलित रक्षा सेवाएं और सिविल सेवा (प्रधान) परीक्षा की लिखित परीक्षाओं के परिणामों को घोषित करने में भी लगने वाले दिनों की संख्या के हिसाब से काफी सुधार हुआ है। इसके अतिरिक्त, वर्ष २०१९ एवं २०२० के लिए, सम्मिलित अनुभाग अधिकारी (ग्रेड-'बी') सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा १७.०७.२०२३ को अधिसूचित की गई थी और इसे २६-२७ अगस्त, २०२३ को सफलतापूर्वक आयोजित कर लिया गया। इसी प्रकार कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ई पी एफ ओ) में लेखा अधिकारी/ प्रवर्तन अधिकारी एवं सहायक भविष्य निधि आयुक्त (ए पी एफ सी) के लिए भर्ती परीक्षण ०२ जुलाई, २०२३ को आयोजित किया गया।

७. तीव्र गति से बदलती तकनीक को देखते हुए हमें नए तौर-तरीके विकसित कर उन्हें अपनाना होगा ताकि हम हाल के वर्षों में तेजी से बढ़ती हुई उम्मीदवारों की संख्या, उनकी आकांक्षाओं और अपेक्षाओं के साथ चल सकें। इसके साथ-साथ,

परीक्षा प्रक्रिया को साइबर अपराधों और अन्य हानिकारक तत्वों से भी अपना बचाव कर सकें। परीक्षा/ भर्ती मामलों को प्रभावी, कुशल एवं तीव्र गति से प्रक्रियाबद्ध करने के लिए आयोग ने सूचना प्रौद्योगिकी और प्रणाली में अनेक सुधार किए हैं जो निम्नलिखित हैं:

(i) आयोग की परीक्षाओं के लिए उम्मीदवारों हेतु अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओ टी आर) पोर्टल का विकास करना और उसे कार्यान्वित करना।

(ii) सभी विस्तृत आवेदन फार्म (डी ए एफ) ओ टी आर पोर्टल के साथ एकीकृत कर दिए गए हैं।

(iii) बैच हैडर्स के मुद्रण के लिए और ओ एम आर शीट देखने के लिए सॉफ्टवेयर का विकास।

(iv) आयोग की वेबसाइट एवं परीक्षा सूचना की ताजा जानकारी के लिए मोबाइल एप्प का विकास करना।

(v) नवीनतम तकनीक की दो हाई-एण्ड ओ एम आर मशीनों का प्रवर्तन।

(vi) अभिवर्धित सुरक्षा और नेटवर्किंग के लिए एक नए यूनिफाइड थ्रेट मैनेजमेंट (यू टी एम) सॉल्यूशन एवं राउटर डिवाइस का प्रापण।

(vii) आयोग की परीक्षाओं के विस्तृत आवेदन फार्मों को डिजीलॉकर से जोड़ दिया गया है।

८. ५२०४ रिक्तियों के लिए कुल ३२९ भर्ती अधियाचनाएं आयोग में प्राप्त हुईं और २२५५ रिक्तियों के लिए २५१ अधियाचनाओं को अन्तिम रूप दिया गया। इसके अतिरिक्त, २७०३ रिक्तियों के लिए २५८ पदों हेतु ३४ भर्ती विज्ञापन प्रकाशित किए गए और १२,५७,०४८ ऑन-लाइन आवेदन प्राप्त किए गए। कुल ११,९१७ उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए बुलाए गए और २०६२ उम्मीदवारों को नियुक्ति के लिए अनुशंसित किया गया। इसके अतिरिक्त, विभिन्न विषयों से १६९८ उम्मीदवारों के चयन के लिए २१ भर्ती परीक्षण भी आयोजित किए गए। इन सामान्य गतिविधियों के अलावा, आयोग को संयुक्त सचिव/ निदेशक/ उप सचिव स्तर की पार्श्व भर्ती के चुनौतीपूर्ण कार्य की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन मामलों की प्रक्रिया अग्रिम स्तर पर है।

९. परीक्षाएं और भर्ती सुगमतापूर्वक आयोजित करने के अलावा, आयोग को सौंपे गए अन्य महत्वपूर्ण संवैधानिक कार्यों को भी पर्याप्त रूप से सफलतापूर्वक निष्पादित किया गया। केंद्र सरकार के पदों पर अधिकारियों की समय पर प्रोन्नति को सुनिश्चित करने के लिए डी पी सी प्रस्तावों के निपटान के लिए भी आयोग द्वारा कठिन परिश्रम किया जा रहा है। एकल खिड़की प्रणाली (एस डब्ल्यू एस) के अंतर्गत डी पी सी प्रस्तावों के बारे में कुल ७६२ अनुशंसाएं और प्रतिनियुक्ति प्रस्तावों के बारे में १४३ अनुशंसाएं जारी की गईं। यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि आयोग के माननीय सदस्यगणों और अधिकारियों के सतत कठोर परिश्रम से केंद्रीय सचिवालय सेवा (सी एस एस) और केंद्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा

(सी एस एस एस) की बैकलॉग रिक्तियों को भर दिया गया है जिसके परिणामस्वरूप दोनों सेवाओं के हजारों अधिकारियों की प्रोन्नति हुई और यह उल्लेख करना संतोषजनक बात है कि इस समय इन दोनों सेवाओं की डी पी सी अद्यतित है और किसी भी अधिकारी को प्रोन्नति हेतु पात्र होने पर प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी।

१०. कुल ५६५ अनुशासनिक मामलों (५१० परामर्श + ५५ लौटाए) का निपटान किया गया। आयोग ने केन्द्र सरकार, संघ शासित क्षेत्रों और सांविधिक संगठनों आदि के लगभग ४५४ पदों के लिए भर्ती नियम बनाने/ उनमें संशोधन करने के प्रस्तावों पर अपना परामर्श दिया। इसके अतिरिक्त, ९३ चयन समिति और पुनरीक्षण चयन समिति की बैठकें आयोजित की गई जिनमें १३३ चयन सूचियां तैयार की गई /उनकी समीक्षा की गई। विभिन्न राज्यों के २२५२ अधिकारियों पर इन बैठकों में विचार किया गया और ७९४ अधिकारियों को अखिल भारतीय सेवाओं में शामिल करने की अनुशंसा की गई। विभिन्न राज्यों में पुलिस महानिदेशक (पुलिस बल प्रमुख) के पद पर नियुक्ति के लिए भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों का पैनल तैयार करने के लिए १३ एम्पैनलमेंट समिति की बैठकों का आयोजन किया गया।

११. राज्य लोक सेवा आयोगों और अन्य देशों के ऐसे संस्थानों से विचार-विमर्श करने के पीछे मूल भावना यही रहती है कि एक दूसरे का ज्ञान साझा किया जाए और सर्वोत्तम पद्धतियों का प्रचार-प्रसार किया जाए। आयोग ने राज्य लोक सेवा

आयोग के अधिकारियों के लिए “भर्ती नियमों” और “दिव्यांगजनों की भर्ती” नामक विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित की। ज़िम्बाब्वे लोक सेवा आयोग से एक प्रतिनिधिमंडल ने ०५/०७/२०२३ को आयोग का दौरा किया जो लोक नियोजन में कार्मिकों के चयन में विचारों एवं सर्वोत्तम प्रणालियों के विनिमय में लाभकारी सिद्ध हुआ।

१२. आयोग ने अपने कार्यालय परिसर को साफ रखने के लिए स्वच्छता संबंधी गतिविधियों के बारे में अनेक कदम उठाए हैं। एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमें परिसर की सफाई, बायो-डिग्रेडेबल और गैर-बायो-डिग्रेडेबल अपशिष्ट आदि के लिए अलग-अलग डस्टबिन रखने की व्यवस्था करने जैसी गतिविधियां की गई। साक्षात्कार के लिए उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों की सुविधा के लिए एक अलग प्रवेश द्वार प्रचालित किया गया है ताकि सुबह के समय के दौरान प्रवेश द्वार पर भीड़ न हो।

१३. वर्तमान नीतियों और प्रणालियों की नियमित संवीक्षा करना नवीनीकरण, प्रभावी सेवा प्रदान करने और अच्छी परिपाटियां अपनाने के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, मैंने कुछ ही महत्वपूर्ण उपलब्धियों का उल्लेख किया है किंतु यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि आयोग की सभी शाखाओं ने समान रूप से आयोग के कार्यों को सुगमता एवं कुशलतापूर्वक निष्पादित करने के लिए, कुछ मामलों में स्टॉफ की कमी के बावजूद अपना योगदान दिया है। मैं आप सभी के प्रति आयोग का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।

१४. आयोग राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग में लगातार वृद्धि करने के प्रति पूर्ण रूप से संवेदनशील है और राजभाषा विभाग द्वारा सरकारी कार्य में हिंदी के प्रयोग के लिए जारी वार्षिक कार्यक्रम में दिए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सतत रूप से प्रयासरत है जिससे आयोग में हिंदी के प्रयोग में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। आयोग की वेबसाइट भी हिंदी तथा अंग्रेजी में द्विभाषी कर दी गई है।

१५. आयोग अपने कर्मचारियों के कल्याण के प्रति नई पहल शुरू करता रहता है। २१ जून, २०२३ को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह से पूर्व एक माह की अवधि का योग-सत्र, कर्मचारियों के लिए आयोजित किया गया। कर्मचारियों की अभूतपूर्व प्रतिक्रिया और व्यापक प्रशंसा को ध्यान में रखते हुए, संघ लोक सेवा आयोग के अधिकारियों और स्टॉफ के लिए योग-सत्र मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, नई दिल्ली के माध्यम से १६ जनवरी, २०२३ से अब नियमित आधार पर संचालित किए जा रहे हैं।

१६. आयोग के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर, मैं ०२ अक्तूबर को "गांधी जयन्ती" के उपलक्ष्य में, आप सभी को बधाई और अपनी शुभकामनाएं देना चाहूंगा। मैं आप सभी का आह्वान करता हूँ कि "राष्ट्रपिता" को श्रद्धांजलि देने में मेरे साथ आएं, उनका जीवन हमारे लिए केवल एक प्रेरणास्रोत ही नहीं बल्कि सादगी, शक्ति और निस्वार्थ सेवा का मूर्त रूप है। आइए, हम महात्मा गांधी के सिद्धान्तों- सत्य, अहिंसा, कर्त्तव्यनिष्ठा, परिश्रम और स्वच्छता को अपनाने की शपथ लें और निजी एवं सार्वजनिक जीवन को बेहतर बनाने के लिए कार्य करें ।

१७. आयोग के सभी माननीय सदस्यगणों, अधिकारियों और स्टॉफ के द्वारा दिए गए सतत और अमूल्य योगदान के लिए मैं हार्दिक धन्यवाद देता हूँ और आशा करता हूँ कि हम सभी मिलकर प्रयास करते रहेंगे और आयोग को नई ऊचाईयों पर ले जाएंगे। मुझे पूरी आशा है कि आपकी नियमित प्रतिबद्धता, समर्थन और सहायता से आयोग सर्वोच्च मानकों को बनाए रखते हुए अपने संवैधानिक दायित्वों की पूर्ति करता रहेगा ।

मैं पुनः आप सभी को अपनी अनन्त मंगलकामनाएं देता हूँ ।

"जय हिंद"

डॉ. मनोज सोनी

अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग